## विचार बिन्दु

**मन की एकाग्रता मनुष्य की विजय शक्ति है। यह मनुष्य जीवन की समस्त शक्तियों को समेट कर मानसिक क्रांति उत्पन्न करती है। –अज्ञात**

# माइनिंग सेक्टर में परचम फहराता राजस्थान

राजस्थान खनिजों की दृष्टि से समृद्ध प्रदेश हैं। राज्य में उपलब्ध 82 प्रकार के खनिजों में से राज्य में 57 खनिजों का व्यवसायिक स्तर पर खनन किया जा रहा है, जिससे वर्तमान में लगभग 35 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है। राज्य सरकार ने एक बात साफ समझी है कि बेशकीमती खनिजों के अवैध खनन पर अंकुश लगाने का सबसे कारगर तरीका खनिज क्षेत्रों के ब्लॉक या प्लॉट तैयार कर इन्हें पारदर्शी से तरीके से ई पोर्टल के माध्यम से नीलाम किया जाए। इससे अवैध खनन का एक कारण पर तो रोक लग ही सकती है। क्योंकि खानधारक अपने क्षेत्र में तो दूसरे को अवैध खनन गतिविधि नहीं चलाने देगा। माइनिंग सेक्टर में परचम फहराने के राजस्थान ने योजनावद्ध प्रयास किये हैं। एक और एक्सप्लोरेशन गतिविधियों को गति दी गई है तो मेजर और माइनर मिनरल ब्लॉक तैयार कर ऑक्शन को प्राथमिकता दी गई तो दूसरी और खनन क्षेत्र में सरलीकरण, पारदर्शिता और निवेश, रोजगार व रेवेन्यू की राह प्रशस्त की गई।

माइनिंग सेक्टर के महत्व को रुस यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में अमेरिका की हालिया नीति के चलते आसानी से समझा जा सकता है। अमेरिका की यूक्रेन की खनिज संपदा पर नजर है और वह चाहता है कि यूक्रेन को सहयोग करने के बदले में यूक्रेन की खनिज संपदा के दोहन का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से अधिकार अमेरिका को मिल जाए। यही हालात दुनिया के दूसरे देशों की है। आज चीन की मोनोपोली से सभी देश गले तक भर आये हैं वहीं दुनिया के देश खनिज संपदा के भण्डारों की खोज व खनन के विकल्प ढूंढने लगे हैं। यही कारण है कि पिछले एक दशक में मिनरल एक्सप्लोरेशन के कार्य में तेजी आई है। हमारे देश में सतत खनन विकास पर जोर दिया जाने लगा है और 2016-17 से मेजर हो या माइनर मिनरल सभी माइंस नीलाम करना अनिवार्य कर दिया गया है। बदली परिस्थितियों में यह भी साफ हो जाना चाहिए कि सरकारों की ईच्छा शक्ति पर बहुत कुछ निर्भर करता है। इसका ताजातरीन उदाहरण राजस्थान सरकार और राजस्थान का खान एवं भूविज्ञान मंत्रालय है। देश-दुनिया में अवैध खनन गतिविधियों के लिए कुख्यात माइनिंग सेक्टर को नई पहचान देने के कारगर प्रयास राजस्थान में भजन लाल शर्मा सरकार ने कर के दिखाया है। केवल एक साल की समयावधी में ही माइनिंग सेक्टर में राजस्थान समूचे देश में लंबी छलांग लगाने लगा है। दिसंबर, 24 में सरकार ने कार्यभार संभालते ही माइनिंग सेक्टर में दो दिशाओं में तेजी से कदम बढ़ाये। पहला अवैध खनन गतिविधियों पर कारगार अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया तो दूसरी और सरकार ने साफ संदेश दे दिया कि खनिज बहुल क्षेत्रों की एक्सप्लोरेशन रिपोर्ट का अध्ययन करते हुए डेलिनियेशन और प्लॉट व ब्लॉक तैयार करने के कार्य को प्राथमिकता दी जाए और विभाग इन तैयार प्लॉटों व ब्लॉकों की नीलामी का रोडमेप बनाकर पारदर्शी ऑक्शन प्रक्रिया को अमली जामा पहुंचायें। सरकार की मंशा के अनुसार विभागीय अमला भी जुट गया और नई सरकार बनने के तीन माह में ही 15 मेजर मिनरल ब्लॉकों का भारत सरकार के पोर्टल पर ई-नीलामी की गई तो एक साल से कुछ ही अधिक समय में नई सरकार बनने के बाद के जनवरी, 25 तक 15 ब्लॉकों सहित 15 जोड़ 33 ब्लॉक कुल 48 मेजर मिनरल ब्लॉकों की सफल नीलामी कर नया इतिहास रच दिया गया। राज्य सरकार की उपलब्धि को केन्द्र सरकार द्वारा भी सराहा गया और इसी 20 जनवरी, 25 को ओडिशा के कोणार्क में आयोजित नेशनल मांइस मिनिस्टर्स कॉन्फ्रेस में वर्ष 2023-24 में देश में सर्वाधिक मेजर मिनरल ब्लॉक के ऑक्शन करने पर राजस्थान को प्रथम पुरस्कार देकर राजस्थान के प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। जिस तरह के आंकड़ें भारत सरकार के पोर्टल पर प्रदर्शित हो रहे हैं उससे साफ हो जाता है कि वर्ष 2024-25 में भी राजस्थान मेजर मिनरल ब्लॉकों की ई-नीलामी में समूचे देश में शीर्ष पर रहेगा।

**केवल एक साल की समयावधी में ही माइनिंग सेक्टर में राजस्थान समूचे देश में लंबी छलांग लगाने लगा है। दिसंबर, 24 में सरकार ने कार्यभार संभालते ही माइनिंग सेक्टर में दो दिशाओं में तेजी से कदम बढ़ाये। पहला अवैध खनन गतिविधियों पर कारगार अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया तो दूसरी और सरकार ने साफ संदेश दे दिया कि खनिज बहुल क्षेत्रों की एक्सप्लोरेशन रिपोर्ट का अध्ययन करते हुए डेलिनियेशन और प्लॉट व ब्लॉक तैयार करने के कार्य को प्राथमिकता दी जाए और विभाग इन तैयार प्लॉटों व ब्लॉकों की नीलामी का रोडमेप बनाकर पारदर्शी ऑक्शन प्रक्रिया को अमली जामा पहुंचायें।**

देश दुनिया में माइनिंग सेक्टर की जो इमेज रही है उसे देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने खान मंत्रालय की जिम्मेदारी अपने पास रखी और कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में पिछले एक साल में माइनिंग सेक्टर ने खनिज खोज से लेकर माइनर एवं मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन, एमनेस्टी योजना, ड्रोन सर्वे, एकबारीय समाधान योजना, नई और प्रगतिशील खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, माइनिंग सेक्टर में औद्योगिक निवेश और रोजगार के विपुल अवसर सृजित करने के अवसर विकसित कर दिए हैं। 2017 में केन्द्र सरकार ने तय किया कि देश में सभी जगह माइनिंग मिनरल्स की खुले ऑक्शन के माध्यम से ही दिए जाएंगे। इससे बहुत हद तक माइनिंग मिनरल्स की बंदर बांट पर रोक लग सकी। केन्द्र सरकार ने मेजर मिनरल्स के ऑक्शन की स्वयं के स्तर पर भी मोनेटरिंग आरंभ कर व्यवस्था को पारदर्शी और खनिज प्रधान प्रमुख राज्यों के बीच स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा की राह प्रशस्त की है। इसे देश के खनिज क्षेत्र का अग्रणी कदम माना जा सकता है।इससे बहुत हद तक बेशकीमती खनिजों के अवैध खनन को रोका जा सकता है। वैध खननधारक पर भी अवैध खनन गतिविधियों के लिए अब राज्य सरकार ड्रोन से एसेसमेंट अनिवार्य करने जा रही है। इसी तरह के अन्य सुधारात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। ऐसे में राजस्थान ही नहीं देश के खनिज प्रधान अन्य राज्यों की सरकारों को भी एग्रेसिव कदम उठाने होंगे ताकि देश की खनिज संपदा के अवैध खनन से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। इसके साथ ही वैध खनन और सस्टेनेबल माइनिंग पर जोर देकर खनिज संपदा का बेहतर दोहन हो सके।

**–अतिथि सम्पादक,**
**डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा**
**( वरिष्ठ लेखक )**

## राशिफल शनिवार 8 फरवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, मृगशिरा नक्षत्र सायं 6:07 तक, वैधृति योग दिन 2:04 तक, वणिज करण प्रातः 8:51 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 6:21 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-मकर, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मिथुन, बुध-मकर, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग सायं 6:07 तक है। भद्रा प्रातः 8:51 से रात्रि 8:16 तक रहेगी। आज जया एकादशी व्रत, भौमी एकादशी, वैधृति पुण्य है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** शुभ 8:34 से 9:57 तक, चर 12:41 से 2:03 तक, लाभ-अमृत 2:03 से 4:47 तक।

**राहूकाल:** 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:12, सूर्यास्त 6:10

**मेष**
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

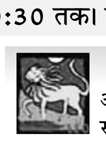

**सिंह**
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

**धनु**
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

**वृष**
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

**कन्या**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

**मकर**
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

**मिथुन**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

**तुला**
व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

**कुंभ**
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विचार-विमर्श हो सकता है। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

**कर्क**
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**वृश्चिक**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

**मीन**
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

# ''मुस्कुराइए, मगर सलीके से''

राजेन्द्र मोहन शर्मा

कबीर कहते हैं कि---

**''बोली ठोली मसखरी, हंसी खेल हराम।**
**मद माया और नाचन गावन, संतों के नहीं काम।।''**

अर्थात भले आदमी वही हैं जो सिर्फ अच्छी चर्चा करे। यह लोक हंसने खेलने का नहीं, यहां तो रोज ही मौत होती है। जब अपने सतगुरु की चाह बनेगी तो यह सब नाचना गाना हंसी सब बन्द हो जाएगी।

कबीर ने कितना सटीक लिखा कि अनुचित बोली, मसखरी करना और अनुचित हंसी भले लोगों की पहचान नही है। अमेरिका के 39 वें राष्ट्रपति रहे जिमी कार्टर का निधन सौंवे वर्ष में पिछले महिने हुआ था। उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा जिनकी एक मुस्कुराती हुई तस्वीर सोशल मीडिया में खूब वायरल हुई । जैसे ही यह तस्वीर सोसयल मीडिया पर वायरल हुई दुनिया भर में लोगों ने खूब ट्रोल किया, दरअसल किसी गमी में, शोक सभा में या किसी दुखद घटना में शामिल व्यक्तियों से यह सामान्य अपेक्षा है कि वे उस समय हंसे-मुस्कुराएं नही जब माहौल असाधारण हो। यह केवल अमेरिका का उदाहरण नही है, दुनियाभर से रोजाना ऐसी ही तस्वीरें और रील्स वायरल होती रहती हैं। अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश के शहर में एक स्त्री का भाई मर गया, उसकी पत्नी पास बैठकर रो रही है और बहिन मुस्कुराते हुए रील बना रही है। अब बताएं कुछ कहना शेष रह गया है क्या। कुछ ऐसे ही नजारे हमें संसद और विधानसभाओं में भी खूब देखने को मिलते हैं। शूर्पणखा की हंसी का मामला हो या गले मिलकर मुस्कुराने का। हमारी विधायिकाओं और नगर पंचायतों के तो हाल ये है कि यह पता ही नही चलता कि हमारे जनप्रतिनिधि मुस्कुराते हुए कब अचानक दांचभींच कर लात-मुक्कों पर उतर आएंगे ।

**''जो तुम इतना मुस्कुरा रहे हो**
**क्या ग़म है जो छिपा रहे हो''**

अब कहां ऐसे पारखी और कहां वे मुक्कमल किरदार।

तो क्या हमें हंसना मुस्कुराना मना है? नही, लेकिन लगता है जैसे सलीके से हंसना-मुस्कुराना लुप्त हो गया है । हंसी को अच्छे स्वास्थ्य का उत्तम खजाना और चेहरे की मांसपेशियों का व्यायाम कहा जाता है । बाबा रामदेव तो अपनी योगिक क्रियाओं में हास्यासन को खूब भुना रहे हैं। लेकिन जैसे जबरन हंसना किसी को भी नही पचता वैसे ही असमय का हंसना या अकारण हंसना-मुस्कुराना भी बहुत बुरा लगता है। हमारे धर्म शास्त्रों और नीति शास्त्रों में लोक व्यवहार की दृष्टि से बहुत सी बातें सिखाई गई हैं। जिसमें यह भी बताया गया है कि मनुष्य को कब कहां कैसे कितना हंसना चाहिए स्त्री पुरुष और बालक-बालिकाओं को भी इस तरह की व्यापक शिक्षाएं दी गई हैं। आप हम सब को अपने स्कूल के दिन याद होंगें तब कोई बच्चा अकारण हंस पड़ता था तो उसे खूब डांट पड़ती थी। बच्चों के सलीके से हंसने-हंसाने की तहजीब सिखाई जाती थी ।

लेकिन अब नीति शास्त्र की बात कौन सुनता है और समझता है जिसे देखो वह अपनी ही नीति और अपना ही शास्त्र तैयार कर रहा है। हंसने-हंसाने का दौर भले ही व्यापार बन गया हो और कॉमेडी की दुनिया में हंसाने के नाम पर करोड़ों रुपए लूटे जा रहे हों लेकिन समाज में कायदे से हंसने-हंसाने का दौर समाप्त हो गया है । हंसी का व्यापार और बाजार तो खूब सज गया है लेकिन इसमें शामिल फूहड़ता, अश्लीलता और दोअर्थी संवादों ने हमें सीधे अधोगति के दर्शन करा दिए हैं।

आज बॉलीवुड में भी बनावटी हंसी का दौरा खूब फल फूल रहा है । और इसके विपरीत हमारे लोक प्रशासक मानो हंसना ही भूल गए हैं । पता नहीं मसूरी की लाल बहादुर शास्त्री अकादमी में ऐसा कौन सा पाठ पढ़ाया जाता है जिससे वहां से निकलने वाली पूरी की पूरी जमात ही लोगों के साथ जब मिलती है तो मानो ऐसा लगता है कि यह जन्मजात हंसने से वंचित रहे लोग की जमात है। उनका चेहरा देखिए हरदम उखड़ा हुआ गंभीर और अनावश्यक तनाव से भरा हुआ पायेंगे और सामने वाले पर पूरी तरह हावी होने के भाव के साथ व्यवहार करते हैं। मेरा मसूरी और उत्तराखंड से बहुत निकट का संबंध है मैंने देखा है कि यहां के लोग बहुत जीवन्त हंसमुख और व्यवहार कुशल हैं इसलिए यह कहना तो उचित नहीं होगा कि मसूरी के पानी में कोई दोष है। लगता है मसूरी की ट्रेनिंग में जरूर कोई दोष है जो हमारे लोक प्रशासकों को गलत ढंग के दीक्षा दे रहा है। लोकतांत्रिक समाज में लोक प्रशासक का हंसमुख चेहरा अनेक समस्याओं का समाधान कर देता है शिकायत लेकर आने वाला आम आवाम जब प्रशासक से मिलता है और वह हंस कर मुस्कुरा कर उसका स्वागत कर देता है और दो मीठे बोल बोल देता है तो उससे आधी समस्याएं तो वैसे ही समाप्त हो जाती हैं। हम सब जानते हैं कि हम लोग प्रायः जब बीमार होते हैं तो जिस डॉक्टर के पास परामर्श और चिकित्सा के लिए जाते हैं यदि उसके चेहरे पर मुस्कुराहट है और आत्मविश्वास से भरा हुआ चेहरा मरीज को थपथपाता है तो यकीन मानिए मरीज की आधी बीमारी तो अपने आप ही ठीक हो जाती है।

हमारे राजनेता इसके ठीक विपरीत है उन्हें बिचारों को यह पता ही नहीं है कि कहां हंसना है और कहां रोना है जहां जनता दुख दर्द से कराह रही होती है बाढ़ में डूब रही होती है या फिर कहीं आग लगी होती है वहां वे जब फेरा करने जाते हैं तब उनके चेहरा देखिए लगता है जैसे किसी गुलशन में आ गए हों। अरे भाई आप किसी की गमी में आए हैं किसी वैवाहिक समारोह में नहीं इतना तो समझिए कि कहां मुस्कुराना है । हवाई दौरा करते हुए जो राजनेता अपने साथ लेकर गए बाढ़ में डुबोई क्षेत्र का अवलोकन कर रहे होते हैं तो साथ बैठे कैमरामैन को हिदायत देते हैं की फोटो लेना और मजे की बात देखिए हमारे यहां फोटो का मतलब ही चेहरे पर मुस्कुराहट लाना है। यह तो समझिए कि आप बाढ में डूबे हुए लोगों के प्रति हमदर्दी दिखाने आए हैं ना कि अपना फोटो खिंचवाने।

हां अभी तक सहज, सरल और मिलावट रहित हंसी अगर किसी जगह सुरक्षित है तो वह है हमारे देश के बच्चों का बचपन। बाल्यकाल में उनके चेहरे के मुस्कुराहट में किसी तरह की मिलावट नहीं है और ना ही कोई दिखावटी बात। खिलखिलाती हंसी और चिड़िया जैसा कलर देखना सुनना हो तो वह हमारी किशोरियों के पास देखा जा सकता है। अट्टहास करते हुए ठहाके अगर आपको सुनने हों तो हमारे युवाओं के पास बैठ जाइए लेकिन यह सब इन्ही समूह तक सीमित है । हां अगर आप कहीं साहित्यकारों के समूह के निकट से गुज़रे और वहां आपको हंसी सुनाई दे तो गौर कीजिएगा वहां ईर्ष्या की लपटें और उपहास के भाव भी साथ ही फड़फड़ा रहे होंगे।

अगर आप कार्पोरेट कलचर की बात करेंगे या फिर आधुनिक टेक्नोलॉजी से युक्त युवाओं के दफ्तरों में सैर करेंगे तो पाएंगे मानो आप यंत्रबद्ध लोगों के बीच आ गए हैं। हजारों लोग जिस दफ्तर में काम कर रहे हो वहां केवल सांस गिनी जा सकती हैं । ना कोई किसी को देख रहा है, ना कोई किसी से बात कर रहा है, और ना कोई हंस रहा है ना मुस्कुरा रहा है । यहां हंसी इतनी दुर्लभ है की आपको अगर कोई चुटकुला याद आ जाए और आप लोगों के समूह में चिल्ला कर इसे सुना कर लौट आएं तो भी आपको वहां से हंसी की एक भी कलर लौटकर सुनाई नहीं देगी। यंत्रबद्धता ने हमारे जीते जागते युवाओं को रोबोट बना दिया है । उनकी भावनाएं उनके लिए रीत गई हैं । और वे काम के दबाव में इस हद तक परेशान हो चुके हैं कि हम रोज ही कहीं न कहीं से उनकी आत्महत्याओं के समाचार सुनने के लिए विवश हैं। हमारे कारपोरेट दफ्तरों को इस दिशा में बहुत ध्यान देना चाहिए जो प्रोडेक्टिव ऊर्जावान युवा टीम उनके साथ काम कर रही है उसे कैसे प्रसन्न रखा जाए और कब कैसे उनके साथ हंसी मजाक का वातावरण बनाकर काम को सरल और सुगम बनाया जाए। यह तरीका निरंतर खोजते रहना चाहिए और प्रयोग में लाते रहना चाहिए।

दरअसल, स्वाभाविक हंसी को हमने खुद ही नियंत्रित कर लिया है। सीमित हंसी हम अब यदा-कदा सोशल मीडिया पर हंसते हैं। कभी फेसबुक पर आए कमेंट पढ़कर। कभी वॉट्सएप पर चुटकुला पढ़कर। कभी ट्विटर पर किसी को ट्रोल होते देखकर। सोशल मीडिया पर आने जाने वाली हंसी को बाहरी कोई व्यक्ति देखता नहीं सो आसपास बैठे व्यक्ति को भ्रम हो सकता है कि भाई इस आदमी का मानसिक स्वास्थ्य तो ठीक है या नही।

जैसे-जैसे आप समाज के उच्च तबके की ओर बढ़ेंगे लगता है जैसे हंसी उनके लिए बोझ बन गई है जीवन में हंसना और मुस्कुराना आवश्यक है लेकिन यह मुस्कुराहट अगर कोई फसाद पैदा कर दे और इतिहास में इस मुस्कुराहट को द्रोपदी की मुस्कुराहट के नाम से जाना जाए तो आप समझ सकते हैं ऐसे मुस्कुराहट कितनी भयंकर होती है । हम तो आए दिन समाचार पढ़ते रहते हैं कि गांव में, शहरों में गलियों में बात बता पर व थोड़े से हंसी मजाक में कितने बड़े-बड़े फसाद हो जाते हैं । जो समाज सलीके से हंसना-मुस्कुराना भूल जाता है वह समाज केवल अपने जीवन को यंत्रबद्ध कर यंत्रणा झेलने के लिए विवश हो जाता है।

**–राजेन्द्र मोहन शर्मा,**
**साहित्यकार, शिक्षाविद एवं चिंतक**

# भीलवाड़ा महोत्सव-2025 की रंगारंग शुरुआत, लोक संस्कृति के रंग बिखरे

## शहनाई की गूंज से महोत्सव का हुआ शुभारंभ, जिलेवासियों में उत्साह और उमंग का माहौल

महोत्सव के दौरान, जिले के विभिन्न कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

**भीलवाड़ा,** (निसं)। भीलवाड़ा महोत्सव-2025 का शुभारंभ हो गया है। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने शुक्रवार को चित्रकूट धाम से महोत्सव की शुरुआत की। इस अवसर पर जिलेवासियों में उत्साह और उमंग का माहौल दिखा। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव, अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन ओमप्रकाश मेहरा, अति. जिला कलेक्टर शहर प्रतिभा देवतिया सहित जिला स्तरीय अधिकारी, कार्यक्रम के नोडल और सहनोडल अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, कलाकार, प्रतिभागी और आमजन मौजूद रहे।

महोत्सव में विभिन्न लोकनृत्यों ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। उदयलोक कला केंद्र बागौर के कलाकारों ने राजस्थान का प्रसिद्ध लोकनृत्य कच्छी घोड़ी नृत्य किया, जो आकर्षण का केंद्र रहा। इसके अलावा, मयूर नृत्य और रिंग नृत्य का भी प्रदर्शन किया गया। जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सहित अधिकारियों ने चित्रकूट धाम में लगी विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन किया। अंतर्राष्ट्रीय बहरूपिया कलाकार जानकीलाल ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस महोत्सव के माध्यम से लोक संस्कृति के विभिन्न रंगों को प्रदर्शित किया गया। जिला कलेक्टर ने जिलेवासियों से मिलकर भीलवाड़ा महोत्सव का आनंद लेने की अपील की। यह महोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने का एक अद्भुत अवसर है।

महोत्सव के दौरान, जिले के विभिन्न कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों से दर्शकों को मंत्र मुग्ध सा कर दिया।

भीलवाड़ा महोत्सव एक ऐसा अवसर है जो हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझने और उसका आनंद लेने का मौका देता है। यह महोत्सव हमें अपने समाज की विविधता और समृद्धि को देखने का अवसर प्रदान करता है।

**■ उदयलोक कला केंद्र बागौर के कलाकारों ने राजस्थान का प्रसिद्ध लोकनृत्य कच्छी घोड़ी नृत्य किया, जो आकर्षण का केंद्र रहा**

इस महोत्सव के लिए जिला प्रशासन ने विशेष तैयारियां की हैं। चित्रकूट धाम को सजाया गया है और विभिन्न स्टॉल्स लगाई गई है। महोत्सव के दौरान, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान जिला कोषाधिकारी टीना रोलानिया, जिला उद्योग केंद्र से राहुल देवसिंह, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अरूणा गारू व योगेश पारीक, जिला रसद अधिकारी अमरेंद्र मिश्रा, जिला खेल अधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

# भू-ओलंपियाड-2025 की प्रवेश परीक्षा आज

## परीक्षा में राजस्थान के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी भाग लेंगे, डूंगर महाविद्यालय में होगी परीक्षा

**बीकानेर,** (निसं)। राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर के भू-गर्भ विभाग में अन्तर्राष्ट्रीय भू-विज्ञान ओलंपियाड-2025 के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा नौ फरवरी को आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा में राजस्थान के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी भाग लेंगे। जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इस परीक्षा के लिए डूंगर महाविद्यालय को अधिकृत परीक्षा केंद्र के रूप में चुना गया है। परीक्षा केंद्र के समन्वयक एवं भूगर्भ विभागाध्यक्ष प्रो. देवेश खंडेलवाल ने बताया कि यह परीक्षा कक्षा 8वीं से 11वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाती है। परीक्षा के आधार पर पूरे भारत से 25 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा, जो तीन सप्ताह के विशेष प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे।

इसके बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चार छात्र भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए इंटरनेशनल अर्थ साइंस ओलंपियाड 2025 में शामिल होंगे। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. राजेन्द्र पुरोहित ने कहा कि यह परीक्षा भू-विज्ञान में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर है। इस राष्ट्रीय परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 18 जनवरी थी और इसमें लड़कों के लिए 200, जबकि लड़कियों के लिए100 रुपये पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया गया था। परीक्षा का आयोजन सुबह दस बजे से डूंगर महाविद्यालय के भूगर्भ विभाग में किया जाएगा।

**■ परीक्षा के आधार पर पूरे भारत से 25 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा, जो तीन सप्ताह के विशेष प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे**

# भीण्डर के कई रास्ते खस्ताहाल, घटिया निर्माण से कई जगह डामर उखड़ी

## जलदाय विभाग ने डेढ़ वर्ष पहले खोदी सड़क की अभी तक मरम्मत नहीं की

**भीण्डर,** (निसं)। भीण्डर में पेयजल सप्लाई के लिए डाली गई नई पाइप लाइनों के लिए कई जगह पर डेढ़ वर्ष पहले खोदी सड़क की अभी तक मरम्मत नहीं की गई है। वहीं जिन सड़कों पर मरम्मत की गई वहां की डामर दो-चार दिन बाद ही उखड़ गई। जलदाय विभाग के घटिया कार्य के चलते आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गत माह पालिका बोर्ड बैठक में भी पार्षदों ने ये मुद्दा उठाया था, जिस पर वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी ने जलदाय विभाग के सहायक अभियंता परसाराम व कनिष्ठ अभियंता इम्तियाज हुसैन को निर्देश दिये थे, लेकिन बोर्ड बैठक को एक माह गुजर जाने के बाद भी विभाग के अधिकारियों ने कोई कदम नहीं उठाया।

भीण्डर के वार्ड 6 में क्रेशर रोड पर करीब डेढ़ वर्ष पहले अक्टूबर 2023 में पाइन लाइन के लिए सड़क के दोनों तरफ खुदाई की थी, उस समय ये सड़क भी नई बनाई हुई थी। जलदाय विभाग ने यहां पाइप लाइन डालकर घर-घर नल कनेक्शन भी दे दिये, लेकिन करीब डेढ़ वर्ष गुजर जाने के बाद भी अभी तक इस रोड की मरम्मत नहीं की, जबकि इस सड़क से प्रतिदिन सैकड़ों वाहन गुजरते हैं जिससे धूल उड़कर घरों में जाने से आमजन परेशान है। इसी तरह खादी भण्डार रोड पर विभाग ने गंदे पानी निकासी के नाले में ही जलदाय विभाग का पाइप डाल दिया, जिससे गंदे पानी अवरोधक हो रहा है और गंदगी फैल रही है। जबकि यहां पाइप लाइन सड़क किनारे डालनी थी।

वहीं चांदपोल स्थित महात्मा गांधी स्कूल के निकट से खादी भण्डार वाले रास्ते पर भी पाइप लाइन के लिए खोदी गई सड़क की भी अभी तक मरम्मत नहीं की गई है। इस सड़क पर पेयजल सप्लाई के अलावा झड़ू बांध की पाइप लाइन भी आ रही हैं जिसके चलते पूरी सड़क ही टूट चुकी है। इसको लेकर कई बार क्षेत्रवासी जलदाय विभाग को मरम्मत करवाने की मांग कर चुके हैं लेकिन विभाग ध्यान नहीं दे रहा है।

ओमप्रकाश भोई, पार्षद नगर पालिका भीण्डर का कहना कि मेरे वार्ड में डेढ़ वर्ष पहले खोदी गई सड़क की अभी तक मरम्मत नहीं की गई है। जबकि इसको लेकर मैंने कई बार जलदाय विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया। इनके द्वारा नहीं सुनने पर गत माह बोर्ड बैठक में भी मुद्दा उठाया था और विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिये, उसके बावजूद एक माह गुजर जाने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। ठेकेदारों के आगे जलदाय विभाग के अधिकारियों की नहीं चल रही हैं इसलिए ही काम समय पर नहीं हो रहे है।

परसाराम, सहायक अभियंता जलदाय विभाग भीण्डर का कहना है कि भीण्डर के कुछ क्षेत्र में सड़क मरम्मत का कार्य बाकी है, इसके लिए ठेकेदार को निर्देश दे दिये है। इसके अलावा पाइप लाइन व अन्य मरम्मत व मिट्टी हटवाने का काम जल्द ही कर दिया जायेगा।